• बाल कविता...

अटकूं-मटकूं...

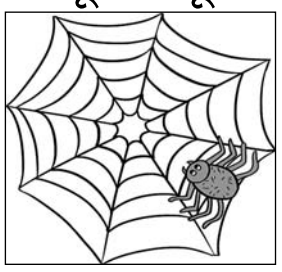

अटकूं-मटकूं,
छत से लटकूं।
हौले-हौले
घर में आऊं।
लारों से मैं
जाल बनाऊं।
उन जालों पर
दौड़ूं, झटकूं।
मक्खी-मच्छर,
कीट फसाऊं।
बहुत मजे से
उनको खाऊं।
बच ना पाए
जिसको पटकूं।
सुलझे धागे
को उलझाऊं।
बच्चों मकड़ी
मैं कहलाऊं।
देख छिपकली
पास न फटकूं।

■ मेराज रज़ा

अच्छी बुद्धि...

छि: चिड़िया, छि: गैया कैसी
रोज़ रोज़ नंगी ही रहतीं।
सोचे मुनिया बैठी बैठी
मम्मी इनकी कुछ न कहतीं?
जहां तहां गोबर कर देती
लाज गाय को कब है आती
चिड़िया भी ऐसी ही होती
बाथरूम में कभी न जाती।
आखिर पापा से ही पूछा
पापा ने यह बात बताई
बेटी इनको हम जैसी तो
अच्छी बुद्धि मिल ना पाई।

■ दिविक रमेश

• चुटकुले...

पापा और 15 साल का गट्टू होटल गए।
पापा– वेटर एक बीयर और एक आईस्क्रीम लाओ।
बेटा– पापा आईस्क्रीम क्यों आप भी बीयर लीजिए ना।
फिर गट्टू पर चप्पलों की हुई बरसात।

लड़की वाले– लड़का शराब पीता है क्या?
चिंटू के घर वाले– जी बिलकुल पीता है और रोज पीता है।
लड़की वाले– इसका मतलब अच्छा कमाता है, हमारी तरफ से ये रिश्ता पक्का।
रिश्ता वही, सोच नई।

• जानकारी...

भारत के सबसे ऊंचे और बड़े बांध

किसी भी देश के लिए बांध यानी डैम बहुत जरूरी होता है। क्योंकि डैम के जरिए ही अलग-अलग राज्यों में घरेलू, उद्योग और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा डैम के जरिए ही बिजली उत्पादन किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि भारत का सबसे बड़ा और ऊंचा डैम कौन-कौन से हैं।

▶▶ **टिहरी डैम**-उत्तराखंड के गढ़वाल में स्थित टिहरी डैम भारत का पहला और दुनिया का 8वां सबसे ऊंचा बांध है। बता दें कि टिहरी डैम की ऊंचाई 260 मीटर है, जो 575 मीटर की लंबाई 20 मीटर की चोटी की चौड़ाई और आधार चौड़ाई 1,128 मीटर के साथ 52 वर्ग किलोमीटर के सतह क्षेत्र पर फैला है। यह विश्व की सबसे महत्वपूर्ण जलविद्युत जल परियोजना भी है। ये डैम हिमालय से बहने वाली भागीरथी और भिलंगना नदियों से पानी लेता है. पानी की आपूर्ति के अलावा इस बांध से 1,000 मेगावाट बिजली पैदा होती है। बता दें कि साल 1978 में टिहरी बांध का बनना शुरू हुआ और 2006 में यह बनकर तैयार हुआ था।

▶▶ **भाखड़ा नांगल बांध**-इसके बाद बिलासपुर जिले में सतलुज नदी पर स्थित भाखड़ा नांगल बांध ऊंचाई के मामले में दूसरे नंबर पर आता है। 225 मीटर की ऊंचाई वाला यह ग्रेविटी बांध एशिया का दूसरा सबसे बड़ा बांध है. भाखड़ा नांगल का जलाशय को 'गोबिंद सागर' भी कहा जाता है। जानकारी के मुताबिक इसमें 9.34 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी हो सकता है। इससे यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा जलाशय बन जाता है। भाखड़ा नांगल बांध राजस्थान, हरियाणा और पंजाब की सरकारों का सांझा प्रोजेक्ट है।

▶▶ **सरदार सरोवर बांध**-सरदार सरोवर बांध भारत का दूसरा सबसे बड़ा बांध है। गुजरात में नर्मदा नदी पर बना यह बांध 138 मीटर ऊंचा है। इसका निर्माण 1979 में शुरू किया गया था। इस बांध के जरिए गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान इन चार राज्यों को फायदा मिलता है। इस बांध की बिजली पैदा करने की क्षमता 1,450 मेगावाट है।

▶▶ **हीराकुंड बांध**-हीराकुंड बांध दुनिया के सबसे लंबे बांधों में से एक है। ये ओडिशा में महानदी नदी पर निर्मित किया गया है। यह बांध दुनिया में सबसे लंबा मानव निर्मित बांध है। यह मिट्टी के कंक्रीट और पत्थर की संरचना है। इस बांध की ऊंचाई 200 फीट है, जिसमें 26 किमी की लंबाई है। इसकी 347.5 मेगावाट्स विद्युत उत्पादन क्षमता है। बांध की झील को हीराकुंड जलाशय कहा जाता है।

▶▶ **नागार्जुन सागर बांध**-जानकारी के मुताबिक यह विश्व का सबसे बड़ा चिनाई वाला बांध है। ये कृष्णा नदी पर निर्मित किया गया है। इस बांध की ऊंचाई 490 फीट और लंबाई 1.6 किलोमीटर है। इस बांध की क्षमता 11, 472 मिलियन क्यूबिक मीटर है। जिसकी बिजली उत्पादन क्षमता 815.6 मेगावाट की है। बांध का नाम बौद्ध भिक्षु आचार्य नागार्जुन के नाम पर रखा गया है।

• तेनालीराम

सात जूते मारने वाली चमेली

चांदकुमारी ने अपनी माँ की बातों पर हामी भर दी। अब जैसे ही बेटी चल दी तो चमेली ने माधो को उसके साथ जाने के लिए कहा। बेचारा माधो अपनी बेटी के साथ उसके ससुराल चला गया।

चांदकुमारी ने ससुराल आकर देखा की तेनालीराम और उसके पति का स्वभाव तो बहुत अक्खड़ है। वह उनसे डरकर रहने लगी, लेकिन वह फिर भी अपने पति को जैसे –तैसे रोज पंद्रह जूते मार ही देती थी...

गतांक से आगे...

तेनालीराम बोला, 'मैं जिससे कहूँ तुम्हे उस लड़की से शादी करनी पड़ेगी।'

वह युवक तैयार हो गया।

महूर्त के अनुसार उसका विवाह हो गया। चांदकुमारी को विदा करते समय उसकी माँ ने उसे भी अपने पति को रोज जूते मारने की सलाह दी। चमेली बोली, 'बेटी मैंने तेरे पिता को अपने वश में कर रखा है। अगर तू भी अपने पति को अपने वश में रखना चाहती है तो तू अपने पति को सात की जगह रोज पंद्रह जूते मारना।'

चांदकुमारी ने अपनी माँ की बातों पर हामी भर दी। अब जैसे ही बेटी चल दी तो चमेली ने माधो को उसके साथ जाने के लिए कहा। बेचारा माधो अपनी बेटी के साथ उसके ससुराल चला गया।

चांदकुमारी ने ससुराल आकर देखा की तेनालीराम और उसके पति का स्वभाव तो बहुत अक्खड़ है। वह उनसे डरकर रहने लगी, लेकिन वह फिर भी अपने पति को जैसे -तैसे रोज पंद्रह जूते मार ही देती थी।

वही जब तेनालीराम ने माधो का टूटा बदन देखा तो वह समझ गया की यह जरूर सब उसकी पत्नी की वजह से ही ऐसा है। तब तेनालीराम ने माधो को चार-पांच महीने अपने पास रखकर उसे मोटा - तगड़ा कर दिया और फिर उसे अपने घर जाने को कहा।

जब माधो चलने लगा तो तेनालीराम ने उसे एक मोटा सा लोहा चड़ा डंडा देते हुए कहा, 'डरने से कुछ नहीं होगा ,यह सब तुम्हारी ही कमी है अगर तुम पहले से ही कठोर बनकर रहते तो ऐसा कभी नहीं होता।'

तेनालीराम की बात सुनकर माधो अच्छे से समझ चूका था कि तेनालीराम क्या कहना चाहता है।

डंडा लेकर माधो अपने घर पहुँच गया। माधो को घर देखकर चमेली बहुत खुश हो गई। उसने पहले तो माधो का अच्छी तरह स्वागत किया और फिर उसे पीड़े पर बिठाकर जूता लेने चली गई। वह मन ही मन बहुत खुश थी कि अब तो उसका पति मोटा हो गया है और वैसे भी मैंने कितने महीने से उसे जूते से नहीं मारा। अब तो जूते मरने में बहुत ही मजा आएगा।

जैसे ही वो जूता लाकर माधो को मारने चली तो माधो ने उसे डंडे से पीटना शुरू कर दिया। चमेली जोर - जोर से चिल्लाने लगी। जिसकी वजह से आसपास के लोग वहाँ आ गए और जैसे - तैसे उसे पीटने से बचाया। उसके बाद से उसने कभी भी माधो को नही मारा और अब वह जैसा कहता चमेली वैसा ही करती। अपने पति का ये रूप देखकर चमेली ने अपनी बेटी भी समझा दिया कि जिन्दगी में वो ऐसी गलती कभी ना करे। हमेशा अपने पति की बात माना करे। **-समाप्त**

• रोचक...

महंगा अनानास

रूबीग्लो अनानास का रंग आम बाजार में मिलने वाले अनानास से अलग होता है। दरअसल अमेरिका के कैलिफोर्निया में वर्नोन में एक स्टोर मेलिसा प्रोड्यूस द्वारा रूबीग्लो अनानास 395.99 डॉलर (33,083 रुपये) में बेचा जा रहा है। दिखने में इस अनानास का गूदा पीले रंग का है, जबकि खोल लाल होता है। इस महंगे होने के पीछे की वजह ये है कि इस फल को उगाने में अमेरिकी खाद्य कंपनी डेल मोंटे को लगभग 15 साल का शोध करना पड़ा है। डेल मोंटे के मुताबिक इस साल दुनियाभर में केवल 5,000 रूबीग्लो अनानास ही बेचने के लिए उपलब्ध होगें और अगले साल 3,000 रूबीग्लो अनानास होंगे। सीमित संख्या में इसके फल होने के कारण भी इसकी कीमत बढ़ जाती है। हालांकि अमेरिका बाजारों में लाया गया यह अनानास खरीदना हर किसी के लिए मुमकिन नहीं होता है।

• उकारी छोटे बंदर...

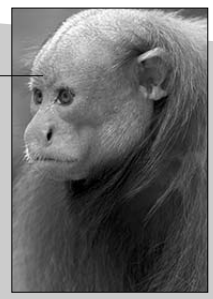

▶▶ *गंजे सिर वाले उकारी छोटे बंदर सिर्फ ब्राजील और पेरू के पश्चिमी अमेजन के वरजिया जंगलों में मिलते हैं। उकारी छोटे बंदरों का चेहरा चमकीले लाल रंग का होता है। दरअसल इनका चेहरा ऐसा लगता है कि किसी बालों के बीच लाल रंग का मुखौटा लगा दिया है। इनके शरीर की लंबाई केवल 45 सेमी और भार केवल 3 किलो तक का होता है। ये बंदर पेड़ों पर ही सोना पसंद करते हैं।*